गोवा विश्वविद्यालय

शणै गोंयबाब भाषा और साहित्य महाशाला

हिंदी अध्ययन शाखा

कार्यक्रम : स्नातकोत्तर हिंदी

पाठ्यक्रम: HIN-602

पाठ्यक्रम का शीर्षक : तुलनात्मक साहित्य का अध्ययन

श्रेयांक : 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू : 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	हिंदी के साथ किन्हीं दो भाषाओं का ज्ञान अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• विद्यार्थियों को तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित कराना। • तुलनात्मक अध्ययन और तुलनात्मक साहित्य के अंतस्संबंधों से अवगत कराना। • तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की प्रविधियों से परिचित कराना। • भारतीय एवं विश्व-साहित्य के अंतस्संबंधों से अवगत कराना।	
पाठ्य विषय	**1. तुलनात्मक अध्ययन** • तुलना : अर्थ एवं स्वरूप • तुलनात्मक अध्ययन : अवधारणा एवं स्वरूप • तुलनात्मक अध्ययन और तुलनात्मक साहित्य के अंतस्संबंध • स्वतंत्र अनुशासन के रूप में तुलनात्मक साहित्य का विकास • तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्त्व	**18**
	2. तुलनात्मक साहित्य अध्ययन के विविध स्कूल • फ्रांसीसी स्कूल • जर्मन स्कूल • अमेरिकन स्कूल	**12**
	3. तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की प्रविधियाँ	**10**

	• सादृश्य-संबंधात्मक प्रविधि • परंपरा प्रविधि • प्रभावसूत्रों की प्रविधि • स्वीकृति प्रविधि	
	4. तुलनात्मक अध्ययन : विविध आयाम • तुलनात्मक अध्ययन : भारतीय साहित्य एवं विश्व साहित्य • तुलनात्मक साहित्य और सांस्कृतिक अध्ययन • तुलनात्मक अध्ययन में अनुवाद का महत्त्व	**20**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) एस॰, ग़ुलाम रसूल, कृष्णमूर्ति, सरगु. तुलनात्मक अनुसंधान एवं उसकी समस्याएँ. हिंदी साहित्य भंडार, लखनऊ, 1980. 2) चौधरी, इंद्रनाथ. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका. कानपुर प्रकाशन, 1998. 3) जैन, डॉ॰ रवींद्र कुमार. साहित्यिक अनुसंधान के आयाम. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2008. 4) नगेंद्र, तुलनात्मक साहित्य. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1985. 5) पाटिल, आनंद, अनुवाद - चंद्रलेखा, तुलनात्मक साहित्य नए सिद्धांत एवं उपयोजन, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, 2006. 6) मांद्रेकर, डॉ॰ वृषाली. मार्कंडेय एवं पुंडलीक नायक का कथा साहित्य. विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2010. 7) राजूरकर भ॰ ह॰, डॉ॰ नवलकिशोर. तुलनात्मक अध्ययन स्वरूप एवं समस्याएँ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004. 8) राजूरकर भ॰ ह॰, बोरा, राजमल. हिंदी अनुसंधान का स्वरूप. 9) रेनेवेलेक, अनु॰ इंद्रनाथ मदान, आलोचना की धारणाएँ, हरियाणा हिंदी ग्रंथ अकादमी, चंडीगढ़, 1978. 10) शुक्ल, हनुमानप्रसाद (सं॰). तुलनात्मक साहित्य : सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य. राजकमल प्रकाशन, 2015. 11) Das, Sisir Kumar. A History of Indian literature (Vol.VII-VIII). Sahitya Akademi, New Delhi, 1991-1995. 12) Majumdar, Swapan. Comparative Literature: Indian Dimension. Papyrus, Calcutta, 1987.	

	13) Owen A. Aldridge (Ed.) Comparative Literature: Matter and Method. University of Illinois Press, Urbana, 1964. 14) Prawer, S. S. Comparative Literature studies. Gerald Duckworth & Co. Ltd. London, 1973.	
अधिगम परिणाम	• तुलनात्मक अध्ययन की अवधारणा से परिचित होंगे। • तुलनात्मक साहित्य के इतिहास से अवगत होंगे। • तुलनात्मक अध्ययन की प्रविधियों का ज्ञान प्राप्त होगा। • भारतीय एवं विश्व साहित्य के अंतस्संबंध को जानकर साहित्य का उचित विश्लेषण करना सीख सकेंगे।	